

श्री जयप्रकाश लाखीवाल

Shri Jai Prakash Lakhiwal



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री जयप्रकाश लाखीवाल

श्री जयप्रकाश लाखीवाल को व्यापक रूप से एक भारतीय लघुचित्र पेंटिंग कलाकार के रूप में जाना जाता है। आप इस शैली की कई शाखाओं, उदाहरण स्वरूप–कांगड़ा, गुलेर, बसोहली, मेवाड़, जोधपुर, मुगल, डेक्कनी और यहां तक कि कंपनी स्कूल में पारंगत हैं। आपने 18 वर्षों तक, इन शैलियों में, प्रत्येक की विशिष्टताओं तथा उनके कलात्मक वातावरणों का अध्ययन किया और इन शैलियों के ऊपर महारत हासिल की।

2. आपका जन्म 25 मई, 1970 को दिल्ली के एक मध्यम–वर्गीय परिवार में हुआ। आपने अपनी पढ़ाई दिल्ली में की और वर्ष 1984–85 में सीनियर हाई सेकेण्डरी बोर्ड की परीक्षा पास की, और शीघ्र ही अपने स्वयं शिक्षित पिता, श्री माली राम लखिवाल से लघु चित्र पेंटिंग की कला सीखने हेतु स्वयं को समर्पित कर दिया। दो वर्षों के भीतर ही आपने भारतीय लघु चित्र पेंटिंग की कला में अनुपम निपुणता अर्जित कर ली।

3. आपकी कृतियां, भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री ए पी जे अब्दुल कलाम, भारत के माननीय पूर्व प्रधानमंत्री, डॉ. मनमोहन सिंह, जापान के माननीय पूर्व प्रधानमंत्री, श्री याशिरो मोरीय, नीदरलैण्ड के माननीय प्रधानमंत्री, यू एस ए की पूर्व राज्य मंत्री, सुश्री मैडलीन अलब्राइट, यू.के.के. प्रिंस चार्ल्स, ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति, यू.एस.ए. के राष्ट्रपति, श्री बराक ओबामाय फ्रांस के राष्ट्रपति, श्री फ्रैंकोइस होलैण्डी आदि के संग्रहणों की शोभा बढ़ा रही हैं। आपकी कृतियां राष्ट्रपति भवन, इंदिरा गांधी स्मारक संग्रहालय, आई.एन.ए. जनपथ, रेसकोर्स के मेट्रो स्टेशन, दिल्ली के उप राज्यपाल के निवास तथा भारत के उच्चतम न्यायालय की दीवारों की शोभा बढ़ाती हैं, जहां आपने अपनी सृजनात्मक एवं पुनर्स्थापित कौशलों का प्रदर्शन किया है।

4. आपको एकमात्र ऐसे विशिष्ट भारतीय कलाकार होने का गौरव प्राप्त हुआ, जिन्होंने लगभग 15 वर्षों तक जापानी किमोनोज के चित्रमय खांचों की अर्थ भेद एवं भारतीय लघुचित्र कला की अभिव्यक्तियों वाली हस्त–पेंटिंग की, जिन्हें कोबे, क्योटो तथा टोक्यो के प्रतिष्ठित केन्द्रों में प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में आप, सिख–इतिहास के आनन्दपुर साहिब संग्रहालय में ऐतिहासिक महत्व की एक वृहत परियोजना के कार्य में जुटे हुए हैं, जिसे आपके विशिष्ट कार्यों में शुमार किया जा रहा है। लघुचित्र कला का यह 2000 वर्गफीट का चित्रण, शाहनामा एवं हम्जानामा की शैली पर आधारित सिख गुरूओं की जीवनियों, त्याग ओर उपदेशों को प्रदर्शित करता है।

5. आपको अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं। वर्ष 1998 में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा आपको दस्तकारी में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 1996 में आपको, आपकी कलात्मक प्रतिभा के लिए दिल्ली सरकार के राज्य–स्तर के सम्मान से नवाजा गया। आपको लघुचित्र पेंटिंग के लिए दक्षिण एशिया का 'यूनेस्को–सी सी आई 2005 उत्कृष्टता पुरस्कार' भी प्राप्त हुआ।

Shri Jai Prakash Lakhiwal

Shri Jai Prakash Lakhiwal is a widely recognised artist of Indian miniature painting. He is skilled in several schools of this genre, for example Kangra, Guler, Basohli, Mewar, Jodhpur, Mughal, Deccani and even the Company School. For 18 years, he studied the peculiarities of each of these styles and their artistic milieus, and acquired a great mastery over these styles.

2. Born on 25th May, 1970, in a middle-class family of Delhi, Shri Lakhiwal did his schooling in Delhi and passed his Senior High Secondary Board exam in 1984-85, and soon after dedicated himself to learning miniature painting from his self-taught father, Shri Mali Ram Lakhiwal. Within two years he acquired matchless proficiency in the art of Indian miniature painting.

3. Shri Lakhiwal's works are in the collections of former Hon'ble President of India, Shri APJ Abdul Kalam; former Hon'ble Prime Minister of India, Dr. Manmohan Singh; former Hon'ble Prime Minister of Japan, Mr. Yoshiro Mori; Hon'ble Prime Minister of Netherlands; former Secretary of State of the USA, Ms. Madeleine Albright; Prince Charles of UK; President of Tajikistan, US President Mr. Barack Obama, French President Mr. Francois Hollande etc. Creations of Shri Lakhiwal adorn the walls of Rashtrapati Bhawan, Indira Gandhi Memorial Museum, Metro Station of INA Janpath Racecourse, the residence of the Lt. Governor of Delhi, the Supreme Court of India, where he has displayed his creative and restoration skills.

4. Shri Lakhiwal has attained the distinction of being the only Indian artist, who has for about 15 years hand-painted scores of Japanese Kimonos with nuances and expressions of Indian miniature art., which have been exhibited in prestigious centres in Kobe, Kyoto and Tokyo. Presently Shri Lakhiwal is engaged in working on a mega project of historical importance at Anandpur Saheb Museum of Sikh History, which constitutes his landmark work. This 2000 sq. feet rendition of miniature art displays the lives, sacrifices and teachings of Sikh Gurus, based on the styles of Shahnamah and Hamzanamah.

5. Shri Lakhiwal is recipient of numerous awards and honours. In 1998 he was honoured with the National Award for Excellence in Craftsmanship by the Hon'ble President of India. In 1996 he was presented with the Delhi Government's state-level honour and award for his artistic genius. He is also a recipient of the UNESCO-CCI 2005 Excellence Award in South Asia for Miniature Painting.